काशी वद्यापीठ के इतहिास में पहली बार राष्ट्रपत होंगी मुख्य अतथि

चर्चा में क्यों?

29 नवंबर, 2023 को केंद्रीय पुस्तकालय के सभागार में हुई बैठक में बताया गया कि महात्मा गांधी काशी वद्यापीठ के इतहिास में पहली बार राष्ट्रपत दीक्षांत समारोह की मुख्य अतथि होंगी।

प्रमुख बदिु

- वश्विवद्यालय का 45वाँ दीक्षांत समारोह 11 दसिंबर, 2023 को आयोजति किया जाएगा। दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल आनंदी बेन पटेल करेंगी
- महात्मा गांधी काशी वद्यापीठ उत्तर प्रदेश के वाराणसी में स्थति एक वश्विवद्यालय है। पहले इसे केवल काशी वद्यापीठ के नाम से ही जाना जाता था, कितु बाद (11 जुलाई, 1995) में इसे भारत के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को पुन: समर्पति किया गया और उनका नाम इसके साथ जोड़ दिया गया।
- काशी वद्यापीठ की स्थापना असहयोग आंदोलन के समय 10 फरवरी, 1921 (बसंत पंचमी के पावन अवसर पर) को बाबू शवि प्रसाद गुप्त द्वारा भदैनी, वाराणसी में की गई थी। गांधीजी ने इसकी आधारशिला रखी थी। शीघ्र ही काशी वद्यापीठ हन्दिी माध्यम से राष्ट्रीय शक्षिा का केंद्र बन गया।
- जुलाई 1963 में इसे वश्विवद्यालय अनुदान आयोग द्वारा मानद वश्विवद्यालय घोषति किया गया। 15 जनवरी, 1975 से इसे चार्टर्ड वश्विवद्यालय का दर्जा दे दिया गया।
- महात्मा गांधी काशी वद्यापीठ के पूर्व छात्रों में शामलि हैं-
  - चंद्रशेखर आजाद, भारतीय स्वतंत्रता सेनानी
  - लाल बहादुर शास्त्री, भारत के पूर्व प्रधानमंत्री
  - रामकृष्ण हेगड़े, कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री
  - बी.वी. केसकर, भारत के पूर्व केंद्रीय मंत्री
  - कलराज मश्रि, राजस्थान के पूर्व राज्यपाल
  - भोला पासवान शास्त्री, बहािर के पूर्व मुख्यमंत्री
  - त्रभिुवन नारायण संहि, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री
  - कमलापत त्रिपाठी, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/for-the-first-time-in-the-history-of-kashi-vidyapeeth-the-president-will-be-the-chief-guest